33,229 प्रॉजेक्टों में सोलर पावर का इस्तेमाल

जल जीवन मिशन

एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ : जल जीवन मिशन के प्रॉजेक्टों में परंपरागत विजली पर निर्भरता कम करने के लिए राज्य सरकार सोलर एनर्जी की ओर आगे वढ़ रही है। इसके लिए प्रदेश में जल जीवन मिशन की 80% परियोजनाओं में सोलर पावर का इस्तेमाल किया जा रहा है। मौजूदा समय में प्रदेश में जल जीवन मिशन की कुल 40,951 परियोजनाओं में से 33,229 परियोजनाओं में सौर ऊर्जा का इस्तेमाल किया जा रहा है। केंद्र सरकार ने योगी सरकार की इस अभिनव पहल को वेस्ट प्रैक्टिसेज के रूप में चिह्नित किया है।

30 साल में होगी ₹1 लाख करोड़ की बचत : जल जीवन मिशन की परियोजनाओं में सोलर पावर के इस्तेमाल से करीव 30 साल में पानी निकालने में खर्च होने वाली विजली की लागत में करीव एक लाख करोड़ रुपये की वचत होगी। मिशन की 33,229 योजनाओं को सौर ऊर्जा से संचालित करने के लिए लगभग 900 मेगावाट के सोलर पैनल लगाए गए हैं। केंद्र सरकार द्वारा इस इनोवेशन को वेस्ट प्रेक्टिसेज के रूप में चिह्नित किया गया है। सौर ऊर्जा आधारित योजनाओं के निर्माण से प्रतिवर्ष लगभग 13 लाख मीट्रिक टन कार्वन डाई ऑक्साइड का उत्सर्जन कम होगा।